

प्रेषक,

सुवर्द्धन

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक

संस्कृति निदेशालय,

उत्तराखण्ड।

संस्कृति अनुभाग :

देहरादून दिनांक : 1 मार्च, 2008

विषय : भोपालपानी देहरादून में निर्माणाधीन राज्य अभिलेखागार उत्तराखण्ड के आवसीय एवं अनावसीय भवनों के निर्माण विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2198/स.नि.उ./दो-3/2007-08 दिनांक-18 फरवरी, 2008 एवं शासनादेश संख्या-127/VI-I/2004, दिनांक- 28-1-05 एवं शासनादेश संख्या-179/VI-I/2007-87(सं.)/2003, दिनांक- 23-3-07जिसके द्वारा उक्त कार्य हेतु रु० 87.56 लाख की धनराशि प्रदान की जा चुकी है के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि निर्माणाधीन राज्य अभिलेखागार हेतु उत्तराखण्ड पेयजल निगम देहरादून द्वारा तैयार पुनरीक्षित आगणन रु० 252.79 लाख के राष्ट्रीय जीवित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रु० 204.80 लाख (रु० दो करोड़ चार लाख अरसी हजार मात्र) पर श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन अवशेष धनराशि रु० 117.24 लाख (रु० एक करोड़ सत्रह लाख बीबीस हजार मात्र) में से रु० 50.00 लाख (रु० पचास लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वहन पर रखते हुए ब्याज किए जाने की स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- उपर्युक्त आवंटित धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों में यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्रदान करना आवश्यक है। ऐसे व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में गतिव्यवस्था गतिान्त आवश्यक है।
- किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, मण्डार कय नियम तथा गितव्यवस्था सम्बंधी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उपकरणों का क्रय डी०जी०एस०एन०डी० दरों पर किया जाएगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेंडर, कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए ही किया जाएगा।
- समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा किसी भी बिन्दु पर स्थिति स्पष्ट न होने पर तत्काल शासन को अवगत कराया जायेगा।
- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाये।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें, तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित करता समय ध्यान करना सुनिश्चित करें।
- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत मार्ग है, स्वीकृत मार्ग से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-माप्ति निरीक्षण कर उच्चाधिकारियों द्वारा अवश्य करा लें, निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुसार कार्य कराया जाये।

10. आगणन में जिन मदों हेतु राशि स्वीकृत की गयी है व्यय उन्हीं मदों पर किया जाय, एक मद की राशि दूसरे मदों पर कदापि व्यय न की जाय।
11. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनेके उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।
12. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री किसी प्रयोगशाला से टेस्टींग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाये जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
13. जी.पी.डब्लू फार्म 09 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित कराना होगा तथा कार्य को समय से पूर्ण न करने पर दस प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण बकाया से दण्ड वसूल किया जायेगा।
14. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं.0-2047/XIV-219(2006) दिनांक- 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
15. सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर पर्चेज नियमों का पालन कड़ाई से करना सुनिश्चित किया जाय।
16. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा। कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
17. उक्त स्वीकृत धनराशि शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/नियमों के अनुसार ही व्यय किया जाय तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जाय। धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
18. उक्त कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा, तथा विलम्ब की दशा में आगणन का पुनरीक्षण नहीं किया जायेगा।
19. कार्यों की गुणवत्ता के संबंध में थर्ड पार्टी की भी व्यवस्था की जायेगी, जिसके सापेक्ष होने वाला व्यय सेन्डेज चार्ज से वहन किया जायेगा।
20. उक्त व्यय अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-04 कला एवं संस्कृति-106 संग्रहालय-03 संग्रहालय भवन सम्बंधी निर्माण-00-24 पृष्ठत निर्माण कार्य भवनक मद के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि से वहन किया जायेगा।

उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-920 (पी) / वित्त अनु-3/2008 दिनांक-18.11.2008, में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भलदीग,
(सुवर्द्धन)
अपरसचिव

पृष्ठांकन संख्या- 117 / VI-I / 2008-87(सं)2003 राद्दिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं इकादारी, पैगव पैलेस, सी-1/105 इन्दिरा नगर, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0मंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. परियोजना प्रबंधक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
7. एन0आई0सी0 देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव